Yertle the Turtle

यर्टल कछुआ

Yertle the Turtle

Dr. Seuss

यर्टल कछुआ

डॉ. जॉयस

On the far-away Island of Sala-ma-Sond,
Yertle the Turtle was king of the pond.
A nice little pond. It was clean. It was neat.
The water was warm. There was plenty to eat.
The turtles had everything turtles might need.
And they were all happy. Quite happy indeed.

साला-मा-सॉन्ड के सुदूर द्वीप के ऊपर,
यर्टल कछुआ, एक तालाब का राजा था.
तालाब अच्छा था. तालाब साफ-सुथरा था.
वहां पानी गरम था. और खाने के लिए बहुत कुछ था.
कछुओं के पास वो सब कुछ था जो कछुए चाहते थे.
और वे सभी खुश थे. वे दिन भर खाते और नहाते थे.

They were ... until Yertle, the king of them all,
Decided the kingdom he ruled was too small.
"I'm ruler," said Yertle, "of all that I see.
But I don't see enough. That's the trouble with me.
With this stone for a throne, I look down on my pond
But I cannot look down on the places beyond.
This throne that I sit on is too, too low down.
It ought to be higher." he said with a frown.
"If I could sit high, how much greater I'd be!
What a king! I'd be ruler of all I could see!"

वे काफी खुश थे... लेकिन फिर उनके राजा यर्टल ने, निर्णय लिया
कि जिस राज्य पर वो शासन कर रहा था वो बहुत छोटा था.
यर्टल ने कहा, "मैं जो कुछ देख पाता हूं मैं सिर्फ उसका ही शासक हूं.
लेकिन मैं बहुत दूर तक नहीं देख पाता हूं. यही परेशानी है.
इस पत्थर के सिंहासन पर बैठकर, मैं सिर्फ अपने तालाब को ही देख पाता हूं
लेकिन मैं दूर तक की चीज़ों को नहीं देख पाता हूं.
जिस सिंहासन पर मैं बैठा हूं वो बहुत नीचे है.
उसे ऊपर होना चाहिए." उसने भौंहें चढ़ाते हुए कहा.
"अगर मैं ऊंचाई पर बैठ पाता, तो फिर मैं कितना बड़ा होता!
फिर मैं महान राजा होता! जो कुछ भी मैं देखता मैं उसका शासक होता!"

So Yertle, the Turtle King, lifted his hand.

And Yertle, the Turtle King, gave a command.

He ordered nine turtles to swim to his stone

And, using these turtles, he built a new throne.

He made each turtle stand on another one's back.

And he piled them all up in a nine-turtle stack.

And then Yertle climbed up. He sat down on the pile.

What a wonderful view! He could see 'most a mile!

फिर कछुए राजा, यर्टल ने अपना हाथ ऊपर उठाया.
और कछुए राजा यर्टल ने, बाकी कछुओं को आदेश दिया.
उसने नौ कछुओं को अपने पत्थर तक तैरकर आने का आदेश दिया
उन कछुओं को एक-के-ऊपर एक लादकर उसने एक नया सिंहासन बनाया.
राजा ने हरेक कछुए को दूसरे कछुए की पीठ पर खड़ा किया.
और उसने उन सभी नौ कछुओं का एक ऊंचा ढेर बनाया.
फिर येर्टल उनके ऊपर चढ़ गया. वो ढेर के ऊपर जाकर बैठ गया.
क्या अद्भुत दृश्य था! येर्टल अब एक मील दूरी तक देख सकता था!

"All mine!" Yertle cried. "Oh, the things I now rule!
I'm king of a cow! And I'm king of a mule!
I'm king of a house! And, what's more, beyond that,
I'm king of a blueberry bush and a cat!
I'm Yertle the Turtle! Oh, marvellous me!
For I am the ruler of all that I see!"

"वो सब मेरा है!" यर्टल चिल्लाया. "देखो, अब मेरा राज्य कितना बड़ा है!
मैं गाय का राजा हूं! और मैं खच्चर का राजा हूं!
मैं एक घर का राजा हूं! और, उसके आगे की ज़मीन का भी राजा हूं
मैं एक ब्लूबेरी झाड़ी और एक बिल्ली का राजा हूं!
मैं यर्टल कछुआ हूं! ओह, मैं एकदम अद्भुत हूं!
क्योंकि मैं जो कुछ भी देखता हूं मैं उसका शासक हूं!"

And all through that morning, he sat there up high
Saying over and over, "A great king am I!"
Until long about noon. Then he heard a faint sigh.
"What's that?” snapped the king
And he looked down the stack.
And he saw, at the bottom, a turtle named Mack.
Just a part of his throne. And this plain little turtle
Looked up and he said, "Beg your pardon, King Yertle.
"I've pains in my back and my shoulders and knees.
How long must we stand here, Your Majesty, please?"

और फिर पूरी सुबह यर्टल वहीं ऊँचाई पर बैठा रहा
वो बार-बार कहता रहा, "मैं एक महान राजा हूं!"
फिर लगभग दोपहर को उसे एक हल्की-सी आह सुनाई दी.
"वो क्या है?" राजा चिल्लाया.
और जब उसने ढेर के नीचे देखा.
तो उसने सबसे नीचे मैक नाम के एक कछुए को देखा.
वो उसके सिंहासन का एक हिस्सा था. उस सादे, छोटे कछुए ने
ऊपर देखा और कहा, "क्षमा करें, राजा यर्टल.
मेरी पीठ, कंधों और घुटनों में दर्द हो रहा है.
महामहिम, कृपया बताएं हमें यहाँ पर
कब तक खड़े रहना होगा?"

"SILENCE!" the King of the Turtles barked back.
"I'm king, and you're only a turtle named Mack."

"चुप रहो!" कछुओं का राजा यर्टल वापस भौंका.
"मैं राजा हूं, और मैक, तुम सिर्फ एक साधारण कछुए हो."

"You stay in your place while I sit here and rule.
I'm king of a cow! And I'm king of a mule!
I'm king of a house! And a bush! And a cat!
But that isn't all. I'll do better than that!
My throne shall be higher," his royal voice thundered,
"So pile up more turtles! I want 'bout two hundred!"

“तुम अपनी जगह पर ही रहो और मैं यहीं बैठकर राज करूंगा.
मैं गाय का राजा हूं! और मैं खच्चर का राजा हूं!
मैं एक घर का राजा हूं! एक झाड़ी का और बिल्ली का!
लेकिन बस इतने से काम नहीं चलेगा. मैं उससे भी बेहतर करूंगा!
मेरा सिंहासन और भी ऊंचा होगा,'' उसकी शाही आवाज गरज उठी,
"अच्छा और कछुओं को ढेर में लगाओ! मुझे लगभग दो सौ और कछुए चाहिए!"

"Turtles! More turtles!" he bellowed and brayed.
And the turtles 'way down in the pond were afraid.
They trembled. They shook. But they came. They obeyed.
From all over the pond, they came swimming by dozens.
Whole families of turtles, with uncles and cousins.
And all of them stepped on the head of poor Mack.
One after another, they climbed up the stack.

"कछुए! और अधिक कछुए!" यर्टल चीखा और चिल्लाया.
लेकिन डरे-सहमे कछुओं को वो बिल्कुल भी नहीं भाया.
वे कांप रहे थे. हिल रहे थे. लेकिन वे आये. उन्होंने आज्ञा मानी.
पूरे तालाब से दर्जनों कछुओं ने सुनी राज्य की मनमानी.
कछुओं के पूरे परिवार, चाचाओं और चचेरे भाइयों के साथ आये.
और उन सभी ने बेचारे मैक के सिर पर अपने पैर रखे और चढ़े.
एक के बाद एक करके, वे ढेर पर चढ़े.

THEN Yertle the Turtle was perched up so high,
He could see forty miles from his throne in the sky!
"Hooray!" shouted Yertle. "I'm king of the trees!
I'm king of the birds! And I'm king of the bees!
I'm king of the butterflies! King of the air!
Ah, me! What a throne! What a wonderful chair!
I'm Yertle the Turtle! Oh, marvellous me!
For I am the ruler of all that I see!"

अब यर्टल कछुआ इतनी अधिक ऊंचाई पर बैठा था,
वो अपने सिंहासन से चालीस मील दूर तक देख सकता था!
"हुर्रे!" यर्टल चिल्लाया. "मैं पेड़ों का राजा हूं!
मैं पक्षियों का राजा हूं! और मैं मधुमक्खियों का राजा हूं!
मैं तितलियों का राजा हूं! मैं हवा का राजा हूं!
देखो मेरा सिंहासन कितना ऊंचा है! मेरी शानदार कुर्सी को देखो !
मैं यर्टल कछुआ हूं! मैं कितना अद्भुत हूं यह देखो!
क्योंकि मैं जो कुछ भी देखता हूं मैं उस सब का शासक हूं!"

Then again, from below, in the great heavy stack,
Came a groan from that plain little turtle named Mack.
"Your Majesty, please... I don't like to complain,
But down here below, we are feeling great pain.
I know, up on top you are seeing great sights,
But down at the bottom we, too, should have rights.
We turtles can't stand it. Our shells will all crack!
Besides, we need food. We are starving!" groaned Mack.

फिर, नीचे से, बड़े भारी ढेर के नीचे से,
मैक नाम के उस साधारण छोटे कछुए की कराह सुनाई दी.
"महाराज, कृपया... मुझे शिकायत करना पसंद नहीं है,
लेकिन यहां नीचे हमें बहुत तकलीफ में हैं.
मैं जानता हूं, ऊपर आप शानदार दृश्य देख रहे हैं,
लेकिन निचले स्तर पर हमें भी कुछ अधिकार मिलने चाहिए.
हम कछुए अब उसे और बर्दाश्त नहीं कर सकते. हमारे सारे खोल टूट जायेंगे!
इसके अलावा, हमें भोजन चाहिए. हम भूख से मर रहे हैं!" मैक चिल्लाया.

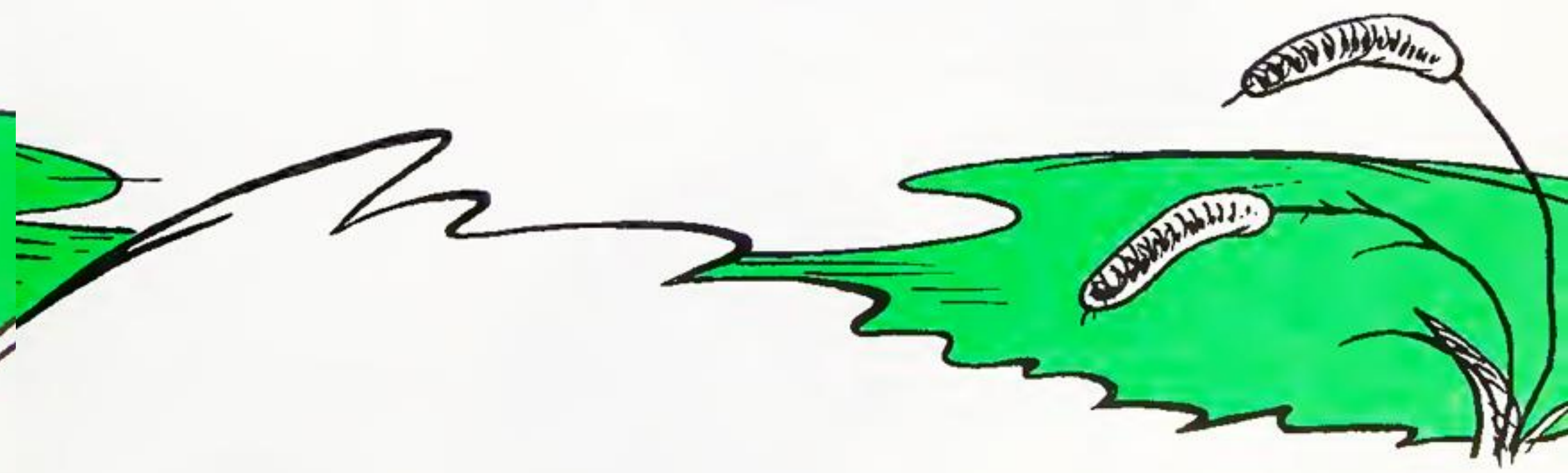

"You hush up your mouth!" howled the mighty King Yertle.
"You've no right to talk to the world's highest turtle.
I rule from the clouds! Over land! Over sea!
There's nothing, no, NOTHING, that's higher than me!"

"तुम अपना मुंह बंद करो!" शक्तिशाली राजा यर्टल चिल्लाया.
"तुम्हें दुनिया के सबसे ऊंचे कछुए को जवाब देने का कोई अधिकार नहीं है.
मैं बादलों के ऊपर से शासन करता हूं! ज़मीन के ऊपर! समुद्र के पार!
वहां कुछ भी ऐसा नहीं है, हां, कुछ भी नहीं है, जो मुझसे ऊंचा हो!"

But, while he was shouting, he saw with surprise
That the moon of the evening was starting to rise
Up over his head in the darkening skies.
"What's THAT?" snorted Yertle. "Say, what IS that thing
That dares to be higher than Yertle the King?
I shall not allow it! I'll go higher still!
I'll build my throne higher! I can and I will!
I'll call some more turtles.
I'll stack 'em to heaven!
I need 'bout five thousand,
six hundred and seven!"

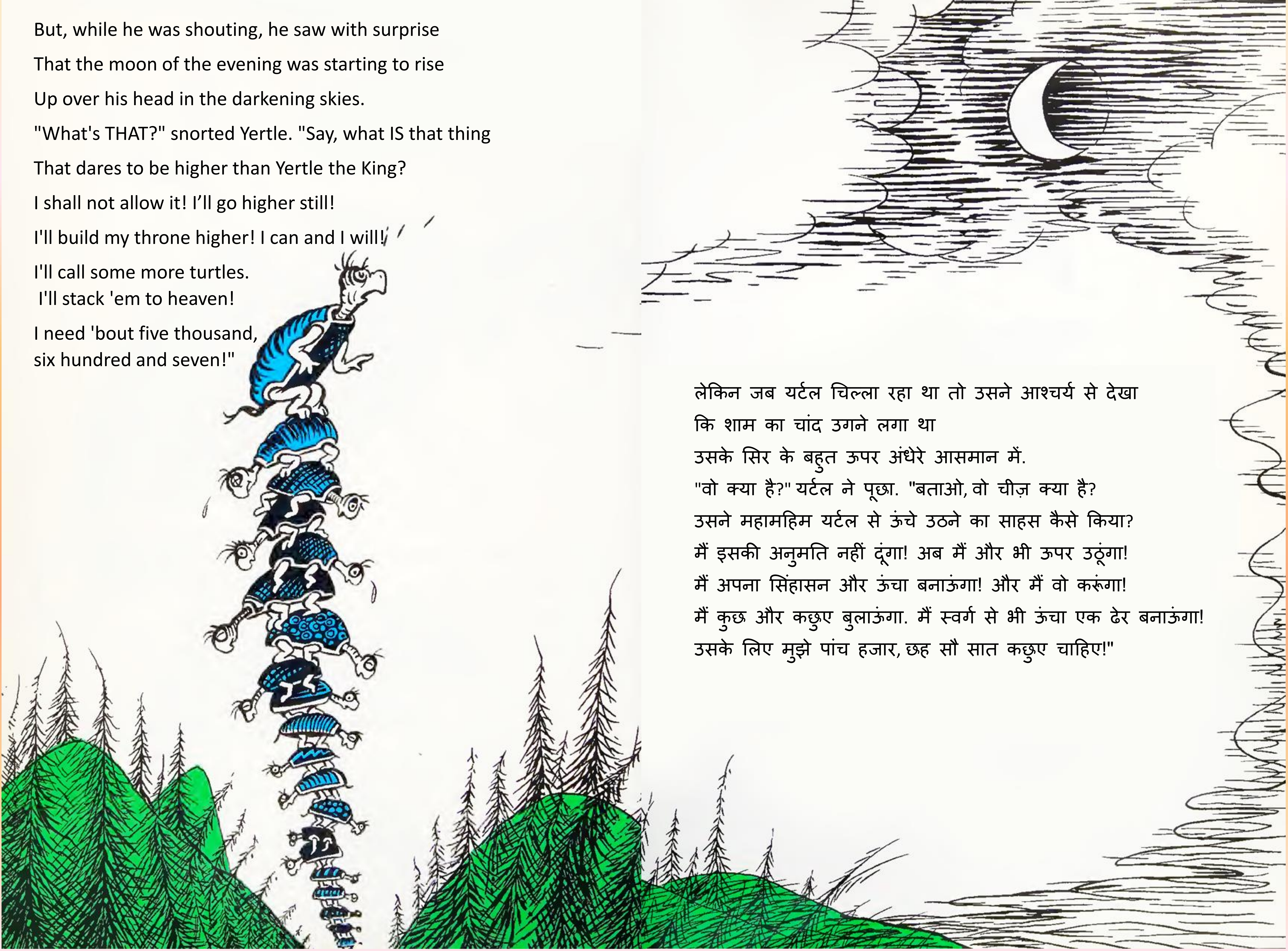

लेकिन जब यर्टल चिल्ला रहा था तो उसने आश्चर्य से देखा
कि शाम का चांद उगने लगा था
उसके सिर के बहुत ऊपर अंधेरे आसमान में.
"वो क्या है?" यर्टल ने पूछा. "बताओ, वो चीज़ क्या है?
उसने महामहिम यर्टल से ऊंचे उठने का साहस कैसे किया?
मैं इसकी अनुमति नहीं दूंगा! अब मैं और भी ऊपर उठूंगा!
मैं अपना सिंहासन और ऊंचा बनाऊंगा! और मैं वो करूंगा!
मैं कुछ और कछुए बुलाऊंगा. मैं स्वर्ग से भी ऊंचा एक ढेर बनाऊंगा!
उसके लिए मुझे पांच हजार, छह सौ सात कछुए चाहिए!"

But, as Yertle, the Turtle King, lifted his hand
And started to order and give the command,
That plain little turtle below in the stack,
That plain little turtle whose name was just Mack,
Decided he'd taken enough. And he had.
And that plain little lad got a little bit mad
And that plain little Mack did a plain little thing.
He burped!
And his burp shook the throne of the king!

लेकिन, जैसे ही कछुओं के राजा यर्टल ने अपना हाथ उठाया
और शाही आदेश देना शुरू किया,
नीचे ढेर वाला वो साधारण, छोटा कछुआ,
वो सादा छोटा कछुआ जिसका नाम सिर्फ मैक था,
ने सोचा कि उसने काफी कुछ हद से ज़्यादा सहा था.
और फिर वो सादा छोटा सा कछुआ कुछ गुस्सा हुआ
और फिर सादे छोटे मैक ने एक छोटा सा काम किया.
उसने एक डकार ली!
और उसकी डकार से राजा का सिंहासन हिल गया!

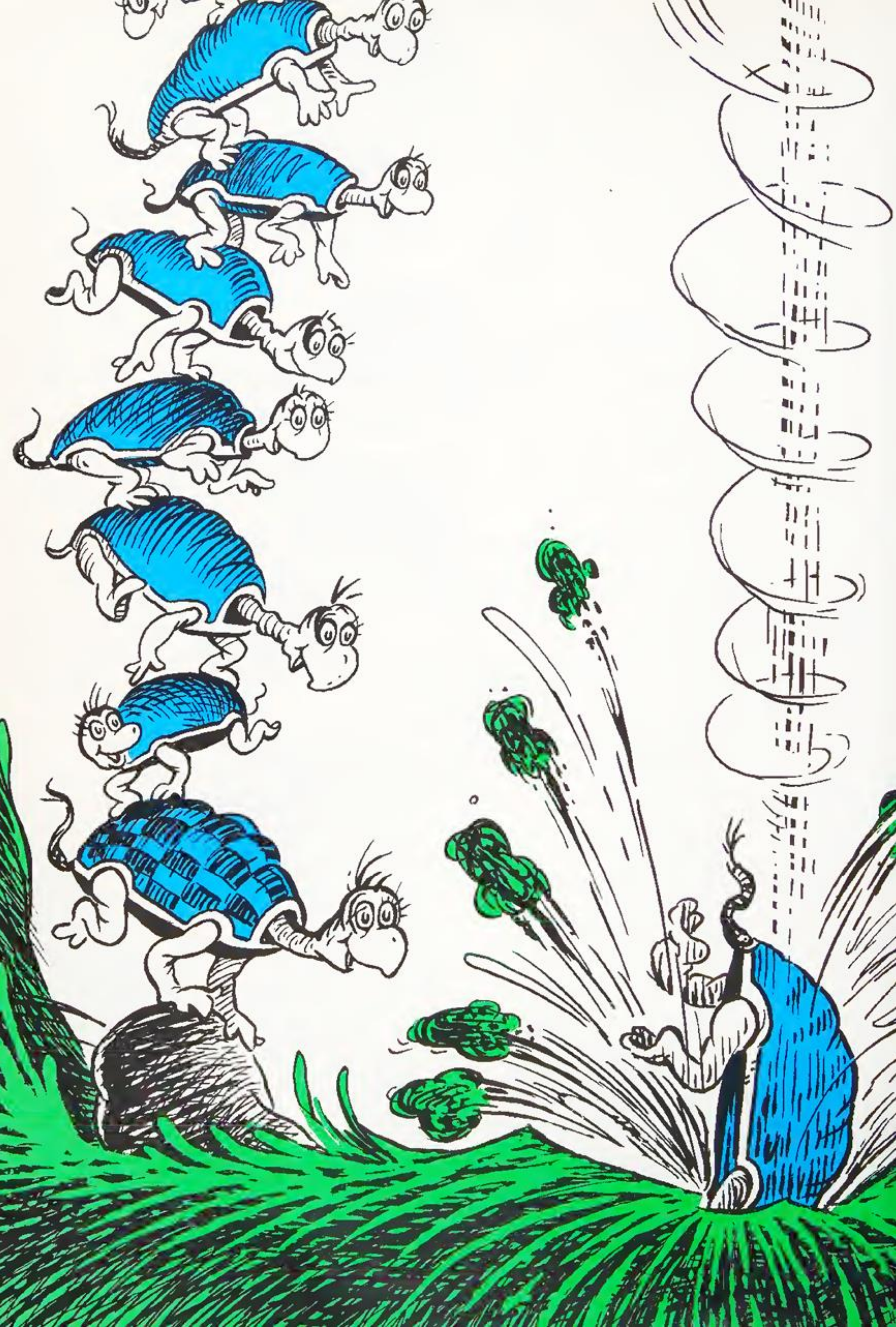

And Yertle the Turtle, the king of the trees,
The king of the air and the birds and the bees,
The king of a house and a cow and a mule...
Well, that was the end of the Turtle King's rule!
For Yertle, the King of all Sala-ma-Sond,
Fell off his high throne and fell Plunk! in the pond!

और यर्टल कछुआ, पेड़ों का राजा,
हवा और पक्षियों और मधुमक्खियों का राजा,
एक घर का राजा और एक गाय और एक खच्चर...
खैर, वो कछुए राजा के शासन का अंत था!
येर्टल, जो पूरे साला-मा-सॉन्ड का राजा था,
वो अपने ऊंचे सिंहासन से गिरकर सीधे तालाब में गिरा!

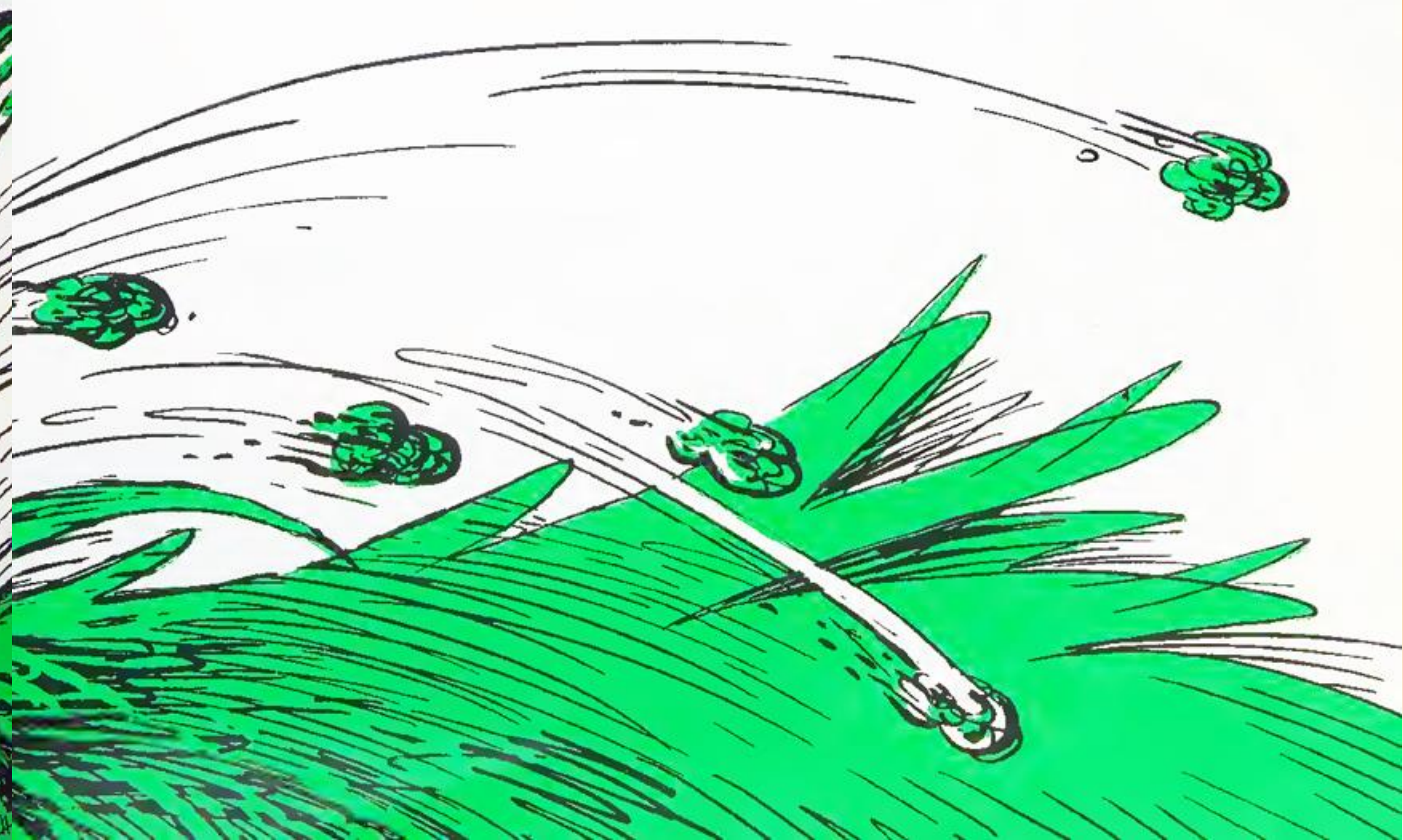

And today the great Yertle, that Marvelous he,
Is King of the Mud. That is all he can see.
And the turtles, of course... all the turtles are free
As turtles and, maybe, all creatures should be.

और अब वो महान यर्टल, वो अद्भुत राजा,
सिर्फ मिट्टी का राजा है. वो बस इतना सा ही देख सकता है.
और कछुए, निःसंदेह... सभी कछुए स्वतंत्र हैं
कछुओं की तरह ही बाकी प्राणियों को भी स्वतंत्र होना चाहिए.